License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

दानिय्येल 1:1

बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर ने यरूशलेम पर चढ़ाई करके उसको कब घेर लिया?

यहूदा के राजा यहोयाकीम के राज्य के तीसरे वर्ष में बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर ने यरूशलेम पर चढ़ाई करके उसको घेर लिया।

दानिय्येल 1:2

यहूदा के राजा यहोयाकीम पर नबूकदनेस्सर को विजय किसने दिलवाई?

परमेश्वर ने नबूकदनेस्सर को यहूदा के राजा यहोयाकीम पर विजय दिलाई।

दानिय्येल 1:3

राजा ने अश्पनज को क्या आज्ञा दी?

राजा ने अश्पनज को आज्ञा दी कि इस्राएली राजपुत्रों और प्रतिष्ठित पुरुषों में से ऐसे कई जवानों को ले आये।

दानिय्येल 1:4

राजा किस प्रकार के युवकों को बाबुल में लाना चाहते थे?

राजा ने ऐसे युवकों को बाबुल लाने की आज्ञा दी जो निर्दोष, सुन्दर और सब प्रकार की बुद्धि में प्रवीण, और ज्ञान में निपुण और विद्वान और राजभवन में हाजिर रहने के योग्य हों।

दानिय्येल 1:5

इन युवा पुरुषों को क्या भोजन दिया गया?

इन युवा पुरुषों को राजा ने अपने भोजन और पीने के दाखमधु में से प्रतिदिन खाने-पीने को दिया।

दानिय्येल 1:6–7

यहूदा की सन्तान से चुने हुए युवकों में से कुछ के नाम क्या थे, और खोजों के प्रधान ने उनके दूसरे क्या नाम रखें?

यहूदा की सन्तान से चुने हुए युवकों के नाम दानिय्येल, हनन्याह, मीशाएल, और अजर्याह थे। खोजों के प्रधान ने उनके दूसरे नाम इस प्रकार रखें दानिय्येल का नाम उसने बेलतशस्सर, हनन्याह का शद्रक, मीशाएल का मेशक, और अजर्याह का नाम अबेदनगो रखा।

दानिय्येल 1:8

दानिय्येल ने अपने मन में क्या ठान लिया था?

दानिय्येल ने अपने मन में ठान लिया कि वह राजा का भोजन खाकर और उसका दाखमधु पीकर स्वयं को अपवित्र नहीं करेंगे।

दानिय्येल 1:10

जब दानिय्येल ने खोजों के प्रधान से राजा की स्वादिष्ट चीज़ों और दाखरस से खुद को अपवित्र न करने की अनुमति मांगी, तो प्रधान ने क्या प्रतिक्रिया दी?

खोजों के प्रधान ने दानिय्येल से कहा, "मैं अपने स्वामी राजा से डरता हूँ, क्योंकि तुम्हारा खाना-पीना उसी ने ठहराया है, कहीं ऐसा न हो कि वह तेरा मुँह तेरे संगी जवानों से उतरा हुआ और उदास देखे और तुम मेरा सिर राजा के सामने जोखिम में डालो।

दानिय्येल 1:11–13

दानिय्येल ने उस मुखिए से, जिसको खोजों के प्रधान ने दानिय्येल, हनन्याह, मीशाएल, और अजर्याह के ऊपर देख-भाल करने के लिये नियुक्त किया था, क्या कहा?

दानिय्येल ने मुखिए से विनती की कि दस दिन तक वो उनके खाने के लिये साग-पात और पीने के लिये पानी दे। फिर दस दिन के बाद उनके मुँह और जो जवान राजा का भोजन खाते हैं उनके मुँह को देखे और जाँच करें। और जैसा मुखिए को देख पड़े, उसी के अनुसार उनसे व्यवहार करें।

दानिय्येल 1:14–15

मुखिए के विनती मान लेने के बाद और दस दीन तक जाँचते रहने के पश्चात दानिय्येल, हनन्याह, मीशाएल और अजर्याह को अन्य जवानों की तुलना में कैसा पाया?

मुखिया ने दानिय्येल, हनन्याह, मीशाएल और अजर्याह के मुँह को राजा के भोजन खानेवाले सब जवानों की तुलना में अधिक अच्छा और चिकना पाया।

दानिय्येल 1:17

परमेश्वर ने दानिय्येल, हनन्याह, मीशाएल और अजर्याह को क्या प्रदान किया?

परमेश्वर ने चारों जवानों को सब शास्त्रों, और सब प्रकार की विद्याओं में बुद्धिमानी और प्रवीणता दी और दानिय्येल सब प्रकार के दर्शन और स्वप्न के अर्थ बताने का ज्ञान दिया।

दानिय्येल 1:19–20

जब राजा ने युवा पुरुषों से बात की, तो उन्हें क्या ज्ञात हुआ?

जब राजा उनसे बातचीत करने लगा तब पाया कि दानिय्येल, हनन्याह, मीशाएल, और अजर्याह के तुल्य उन सब में से कोई नहीं था और बुद्धि और हर प्रकार की समझ के विषय में जो कुछ राजा उनसे पूछता था उसमें वे राज्य भर के सब ज्योतिषियों और तंत्रियों से दसगुणे निपुण थे।

राजा ने पाया कि दानिय्येल, हनन्याह, मीशाएल और अजर्याह के समान कोई नहीं था। हर ज्ञान और बुद्धिमत्ता के प्रश्न में, जो राजा ने उनसे पूछा, उन्होंने पाया कि वे अपने पूरे राज्य के सभी जादूगरों और उन लोगों से, जो मृतकों से बात करने का दावा करते थे, दस गुना श्रेष्ठ थे।

दानिय्येल 1:21

दानिय्येल बेबीलोन में कितने समय तक रहे?

दानिय्येल कुस्रू राजा के राज्य के पहले वर्ष तक बने रहे।

दानिय्येल 2:1

नबूकदनेस्सर ने कब स्वप्न देखा जिससे उसका मन बहुत ही व्याकुल हो गया और वह सो न सका?

अपने राज्य के दूसरे वर्ष में नबूकदनेस्सर ने ऐसा स्वप्न देखा जिससे उसका मन बहुत ही व्याकुल हो गया और वह सो न सका।

दानिय्येल 2:2

राजा ने ज्योतिषी, तांत्रिक, टोन्हे और कसदी को क्यों बुलवाया?

राजा ने आज्ञा दी, कि ज्योतिषी, तांत्रिक, टोन्हे और कसदी बुलाए कि वे राजा को उसका स्वप्न बताएँ।

दानिय्येल 2:5

राजा ने विशेष रूप से कसदियों को क्या उत्तर दिया ?

राजा ने कसदियों को उत्तर दिया कि यदि वे अर्थ समेत स्वप्न को न बताएंगे तो वे टुकड़े-टुकड़े कर दिए जायेंगे, और उनका घर फुँकवा दिया जाएँगा।

दानिय्येल 2:5 (#2)

अगर कसदियों ने अर्थ समेत स्वप्न न बताया तो राजा ने क्या करने का आदेश दिया?

राजा ने आज्ञा दिया कि यदि कसदियों ने अर्थ समेत स्वप्न नही बताएंगे तो वे टुकड़े-टुकड़े कर दिए जायेंगे, और उनका घर फुँकवा दिया जाएँगा।

दानिय्येल 2:6

यदि किसी ने अर्थ समेत स्वप्न बता दिया तो राजा द्वारा वे कैसे प्रतिष्ठा पाएंगे?

राजा ने कहा कि यदि कोई अर्थ समेत स्वप्न बता दे तो वे राजा द्वारा भाँति-भाँति के दान और भारी प्रतिष्ठा पाएंगे।

दानिय्येल 2:10–11

राजा के स्वप्न के विषय में कसदियों ने क्या कहा कि कौन उसे बता सकता हैं?

कसदियों ने राजा से कहा, पृथ्वी भर में ऐसा कोई मनुष्य नहीं जो राजा के मन की बात बता सके, केवल देवताओं को छोड़कर।

दानिय्येल 2:13

कसदियों के उत्तर को पाकर राजा नबूकदनेस्सर ने क्या आज्ञा निकाली?

राजा ने आज्ञा निकली कि पंडित लोगों का घात किया जाए।

दानिय्येल 2:14

अर्योक कौन थे?

अर्योक अंगरक्षकों का प्रधान था, जिसे राजा ने बाबेल के पंडितों को घात करने के लिये नियुक्त किया था।

दानिय्येल 2:14–15

जब अर्योक दानिय्येल के पास आए, तो दानिय्येल ने उनसे कैसे बातचीत की?

दानिय्येल सोच विचार कर और बुद्धिमानी के साथ अर्योक से पूछने लगा, यह आज्ञा राजा की ओर से ऐसी उतावली के साथ क्यों निकली।

दानिय्येल 2:16

अर्योक से बात करने के बाद दानिय्येल ने क्या विनती की?

दानिय्येल ने भीतर जाकर राजा से विनती की, कि उसके लिये कोई समय ठहराया जाए, ताकि वह महाराज को स्वप्न का अर्थ बता सके।

दानिय्येल 2:19

भेद प्रकट होने के बाद दानिय्येल ने क्या किया?

भेद प्रकट होने के बाद दानिय्येल ने स्वर्ग के परमेश्वर का धन्यवाद किया।

दानिय्येल 2:23

दानिय्येल ने अपने पूर्वजों के परमेश्वर का धन्यवाद किस लिए किया?

दानिय्येल ने अपने पूर्वजों के परमेश्वर का धन्यवाद किया कि उन्होंने उन्हें बुद्धि और शक्ति दी थी और जिस भेद का खुलना वे लोग माँगा रहें थे वह उन पर प्रगट किया था।

दानिय्येल 2:24

गुप्त रहस्य प्रकट होने के बाद दानिय्येल किससे मिलने गए?

दानिय्येल अर्योक से मिलने गए।

दानिय्येल 2:24 (#2)

दानिय्येल ने अर्योक से क्या कहा?

दानिय्येल ने अर्योक से कहा कि वह बाबेल के पंडितों का नाश न करें, और उसे राजा के सम्मुख भीतर ले चले, ताकि वह स्वप्न का अर्थ बता सके।

दानिय्येल 2:28

जब दानिय्येल को राजा के पास लाया गया, तो दानिय्येल ने क्या कहा कि राजा के स्वप्न का भेद प्रगट करनेवाला कौन हैं ?

दानिय्येल ने कहा कि भेदों का प्रगट करनेवाला परमेश्वर स्वर्ग में है।

दानिय्येल 2:28 (#2)

सामान्य रूप से दानिय्येल ने क्या कहा कि राजा का स्वप्न किस विषय में था?

दानिय्येल ने कहा कि स्वप्न अन्त के दिनों में क्या-क्या होनेवाला है उसके विषय में हैं।

दानिय्येल 2:30

दानिय्येल पर स्वप्न का भेद क्यों खोला गया था?

दानिय्येल पर स्वप्न का भेद केवल इसी कारण खोला गया था कि स्वप्न का अर्थ राजा को बताया जाए, और वह अपने मन के विचार समझ सके।

दानिय्येल 2:31–32

राजा ने अपने सपने में जो मूर्ति देखी, वह कैसी दिखाई दी?

मूर्ति लम्बी-चौड़ी थी; उसकी चमक अनुपम थी, और उसका रूप भयंकर था। उस मूर्ति का सिर तो शुद्ध सोने का था, उसकी छाती और भुजाएँ चाँदी की, उसका पेट और जाँघें

पीतल के थे उसकी टाँगें लोहे की और उसके पाँव कुछ तो लोहे के और कुछ मिट्टी के थे।

दानिय्येल 2:34–35

राजा ने अपने सपने में जो मूर्ति देखी थी, उसका क्या परिणाम हुआ?

राजा देखा, कि एक पत्थर ने, बिना किसी के खोदे, आप ही आप उखड़कर उस मूर्ति के पाँवों पर लगकर जो लोहे और मिट्टी के थे, उनको चूर चूर कर डाला। फिर लोहा, मिट्टी, पीतल, चाँदी और सोना भी सब चूर-चूर हो गए, और धूपकाल में खलिहानों के भूसे के समान हवा से ऐसे उड़ गए कि उनका कहीं पता न रहा।

दानिय्येल 2:35

पत्थर जो मूर्ति पर लगा था उसका क्या परिणाम हुआ?

वह पत्थर जो मूर्ति पर लगा था, वह बड़ा पहाड़ बनकर सारी पृथ्वी में फैल गया।

दानिय्येल 2:38

सोना का सिर किसका था?

सोने का सिर राजा नबूकदनेस्सर का था।

दानिय्येल 2:44

उन दिनों में जब लोहे का मिट्टी के साथ मेल नहीं होगा तो स्वर्ग के परमेश्वर क्या करेंगे?

उन दिनों में जब लोहे का मिट्टी के साथ मेल नहीं होगा तो स्वर्गिय परमेश्वर एक ऐसे राज्य का उदय करेगा जो अनन्तकाल तक न टूटेगा और न वह किसी दूसरी जाति के हाथ में किया जाएगा।

दानिय्येल 2:46

राजा नबूकदनेस्सर ने स्वप्न और उसका अर्थ सुनने के बाद दानिय्येल के लिए क्या करने का आदेश दिया?

राजा ने आज्ञा दिया कि दानिय्येल को भेंट चढ़ाया जाए, और उसके सामने सुगन्ध वस्तु जलाया जाए।

दानिय्येल 2:47

नबूकदनेस्सर ने दानिय्येल के परमेश्वर के बारे में क्या कहा?

नबूकदनेस्सर ने कहा कि तुम लोगों का परमेश्वर, सब ईश्वरों का परमेश्वर, राजाओं का राजा और भेदों का खोलनेवाला है।

दानिय्येल 2:49

दानिय्येल के विनती करने से राजा नबूकदनेस्सर ने क्या किया?

दानिय्येल के विनती करने से राजा ने शद्रक, मेशक, और अबेदनगो को बाबेल के प्रान्त के कार्य के ऊपर नियुक्त कर दिया।

दानिय्येल 3:1

नबूकदनेस्सर राजा द्वारा सोने की बनवाई मूरत जिसे दूरा नामक मैदाक में खड़ा कराया गया था के क्या आयाम थे?

मूरत की ऊँचाई साठ हाथ, और चौड़ाई छः हाथ की थी।

दानिय्येल 3:3

नबूकदनेस्सर राजा की खड़ी कराई हुई मूरत की प्रतिष्ठा के लिये कौन इकट्ठे हुए थे?

नबूकदनेस्सर राजा की खड़ी कराई हुई मूरत की प्रतिष्ठा के लिये अधिपति, हाकिम, राज्यपाल, सलाहकार, खजांची, न्यायी, शास्त्री आदि और प्रान्त-प्रान्त के सब अधिकारी इकट्ठे हुए थे।

दानिय्येल 3:4–5

नबूकदनेस्सर ने उपस्थित लोगों से क्या करने की इच्छा प्रकट की?

नबूकदनेस्सर चाहता था कि जिस समय लोग नरसिंगे, बाँसुरी, वीणा, सारंगी, सितार, शहनाई आदि सब प्रकार के बाजों का शब्द सुने, तो वे उसी समय गिरकर नबूकदनेस्सर राजा की खड़ी कराई हुई सोने की मूरत को दण्डवत् करें।

दानिय्येल 3:6

राजा ने उन लोगों के साथ क्या करने का आदेश दिया जो कोई गिरकर दण्डवत् नहीं करेगा?

राजा ने कहा कि जो कोई गिरकर दण्डवत् नहीं करेगा वह उसी घड़ी धधकते हुए भट्ठे के बीच में डाल दिया जाएगा।

दानिय्येल 3:8

शद्रक, मेशक, और अबेदनगो के खिलाफ किसने राजा के पास आकर चुगली की?

कसदी पुरुषों ने राजा के पास आकर शद्रक, मेशक, और अबेदनगो के खिलाफ चुगली की।

दानिय्येल 3:12

कौन सोने की मूरत को दण्डवत् नहीं करते?

कुछ यहूदी, जिनके नाम शद्रक, मेशक, और अबेदनगो थे, उन्होंने सोने की मूरत को दण्डवत् नहीं किया और उसकी उपासना नहीं की।

दानिय्येल 3:17–18

जब राजा ने शद्रक, मेशक और अबेदनगो को मूरत के सामने दण्डवत् करने और उपासना करने के आदेश को पुनः दोहराया, और कहा कि अगर वे राजा के आदेश का पालन नहीं करेंगे तो परिणाम क्या होंगा, तो उन्होंने क्या उत्तर दिया?

शद्रक, मेशक और अबेदनगो ने उत्तर दिया कि वह परमेश्वर, जिसकी वो उपासना करते हैं वो उन्हे उस धधकते हुए भट्ठे की आग से बचाने की शक्ति रखता है; वरन् वह उन्हे राजा के हाथ से भी छुड़ा सकता है। परन्तु, यदि वह नहीं भी छुड़वाए तब भी वे लोग उसके देवता की उपासना नहीं करेंगे, और न उसकी खड़ी कराई हुई सोने की मूरत को दण्डवत् करेंगे।

दानिय्येल 3:19–20

नबूकदनेस्सर ने शद्रक, मेशक और अबेदनगो के संबंध में क्या आदेश दिया?

नबूकदनेस्सर ने आज्ञा दी कि भट्ठे को सात गुणा अधिक धधका दे, और शद्रक, मेशक और अबेदनगो को बांधकर भट्टे में डाल दिया जाए।

दानिय्येल 3:22–23

शद्रक, मेशक, अबेदनगो और जो लोग उन्हें भट्टी में डालने के लिए ले गए थे, उनके साथ क्या हुआ?

जिन पुरुषों ने शद्रक, मेशक और अबेदनगो को उठाया वे ही आग की आँच से जल मरे। और उसी धधकते हुए भट्ठे के बीच ये तीनों पुरुष, शद्रक, मेशक और अबेदनगो, बंधे हुए फेंक दिए गए।

दानिय्येल 3:25

नबूकदनेस्सर राजा अचम्भित हो और घबराकर क्यों उठ खड़े हुए?

जब नबूकदनेस्सर ने देखा कि चार पुरुष आग के बीच खुले हुए टहल रहे हैं, और उनको कुछ भी हानि नहीं पहुँची; और चौथे पुरुष का स्वरूप परमेश्वर के पुत्र के सदृश्य है तो वो अचम्भित हो और घबराकर उठ खड़े हुए।

दानिय्येल 3:27

आग से बाहर आने के बाद उपस्थित लोगों ने शद्रक, मेशक और अबेदनगो के बारे में क्या पाया ?

उपस्थित लोगों ने देखा कि उनकी देह में आग का कुछ भी प्रभाव नहीं था; और उनके सिर का एक बाल भी न झुलसा, न उनके मोजे कुछ बिगड़े, न उनमें जलने की कुछ गन्ध पाई गई।

दानिय्येल 3:29

शद्रक, मेशक और अबेदनगो और धधकती भट्टी की घटना के बाद नबूकदनेस्सर ने क्या आज्ञा दिया?

नबूकदनेस्सर ने यह आज्ञा दिया कि कि देश-देश और जाति-जाति के लोग, और भिन्न-भिन्न भाषा बोलनेवालों में से जो कोई शद्रक, मेशक और अबेदनगो के परमेश्वर की कुछ निन्दा करेगा, वह टुकड़े-टुकड़े किया जाएगा, और उसका घर घूरा बनाया जाएगा; क्योंकि ऐसा कोई और देवता नहीं जो इस रीति से बचा सके।

दानिय्येल 3:30

राजा ने शद्रक, मेशक और अबेदनगो के लिए क्या किया?

नबूकदनेस्सर राजा ने बाबेल के प्रान्त में शद्रक, मेशक, अबेदनगो का पद और ऊँचा किया।

दानिय्येल 4:1

नबूकदनेस्सर ने इस वचन को किसे भेजा था?

नबूकदनेस्सर ने देश-देश और जाति-जाति के लोगों, और भिन्न-भिन्न भाषा बोलनेवाले जितने सारी पृथ्वी पर रहते हैं, उन सभी को यह वचन भेजा।

दानिय्येल 4:2

नबूकदनेस्सर ने वचन क्यों भेजा?

जो चिन्ह और चमत्कार परमेश्वर ने नबूकदनेस्सर को दिखाए थे उसे सब के सामने प्रगट करने के लिए उन्होंने वचन भेजा।

दानिय्येल 4:3

नबूकदनेस्सर ने परमप्रधान के विषय में क्या कहा?

नबूकदनेस्सर ने परमप्रधान के विषय में कहा, “उसके दिखाए हुए चिन्ह क्या ही बड़े, और उसके चमत्कारों में क्या ही बड़ी शक्ति प्रगट होती है! उसका राज्य तो सदा का और उसकी प्रभुता पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहती है।”

दानिय्येल 4:5

नबूकदनेस्सर किस बात से डर गया?

नबूकदनेस्सर ने ऐसा स्वप्न देखा जिसके कारण वो डर गया।

दानिय्येल 4:6

नबूकदनेस्सर ने बाबेल के सब पंडित को अपने सामने हाजिर होने की आज्ञा क्यों दी?

नबूकदनेस्सर ने आज्ञा दी कि बाबेल के सब पंडित उनके स्वप्न का अर्थ उन्हे बताने के लिये उनके सामने हाजिर किए जाएँ।

दानिय्येल 4:8–9

दानिय्येल का बाबेली नाम क्या था और नबूकदनेस्सर के राज्य में दानिय्येल को क्या पद दिया गया था?

दानिय्येल का बाबेली नाम बेलतशस्सर था और उन्हे "ज्योतिषियों के प्रधान" का पद दिया गया था।

दानिय्येल 4:8–9 (#2)

नबूकदनेस्सर को किस पर विश्वास था कि स्वप्न को अर्थ समेत समझा सकता हैं?

नबूकदनेस्सर को विश्वास था कि दानिय्येल उनके स्वप्न को अर्थ समेत समझा सकता हैं, क्योंकि नबूकदनेस्सर ने दानिय्येल के बारे में कहा था कि "...तुझ में पवित्र ईश्वरों की आत्मा रहती है, और तू किसी भेद के कारण नहीं घबराता।"

दानिय्येल 4:10–12

नबूकदनेस्सर ने अपने दर्शन के पहले भाग में क्या देखा था?

नबूकदनेस्सर ने एक बड़ा, ऊँचा और दृढ़ वृक्ष देखा जो स्वर्ग तक पहुंचता था। उसके नीचे मैदान के सब पशुओं को छाया मिलती थी, और उसकी डालियों में आकाश की सब चिड़ियाँ बसेरा करती थीं, और सब प्राणी उससे आहार पाते थे।

दानिय्येल 4:13–14

पवित्र स्वर्ग दूत ने वृक्ष के साथ क्या करने को कहा?

पवित्र स्वर्ग दूत ने कहा कि वृक्ष को काट डालो, उसकी डालियों को छाँट दो, उसके पत्ते झाड़ दो और उसके फल छितरा डालो।

दानिय्येल 4:15–16

पेड़ के ठूँठे के साथ क्या किया जाना चाहिए था?

ठूँठे को जड़ समेत भूमि में छोड़ उसे लोहे और पीतल के बन्धन से बाँधकर मैदान की हरी घास के बीच रहने दे ताकि आकाश की ओस से भीगा करे और भूमि की घास खाने में मैदान के पशुओं के संग भागी हो। उसका मन बदले और मनुष्य का न रहे, परन्तु पशु का सा बन जाए; और उस पर सात काल बीतें।

दानिय्येल 4:17

नबूकदनेस्सर के सपने में पेड़ के साथ ऐसा करने का उद्देश्य क्या था?

उद्देश्य यह था कि जो जीवित हैं वे जान लें कि परमप्रधान परमेश्वर मनुष्यों के राज्य में प्रभुता करता है, और उसको जिसे चाहे उसे दे देता है, और वह छोटे से छोटे मनुष्य को भी उस पर नियुक्त कर देता है।

दानिय्येल 4:22

दानिय्येल ने कहा कि नबूकदनेस्सर के स्वप्न में वृक्ष कौन था?

दानिय्येल ने कहा कि वह वृक्ष नबूकदनेस्सर था।

दानिय्येल 4:25

नबूकदनेस्सर के साथ क्या होना था जब तक कि वो यह न जान ले कि मनुष्यों के राज्य में परमप्रधान ही प्रभुता करता है, और जिसे चाहे वह उसे दे देता है।

नबूकदनेस्सर मनुष्यों के बीच से निकाला जाएगा, और मैदान के पशुओं के संग रहेगा; वो बैलों के समान घास चरेगा; और आकाश की ओस से भीगा करेगा।

दानिय्येल 4:25 (#2)

नबूकदनेस्सर को यह जानने में कितना समय लगा कि परमप्रधान ही प्रभुता करता है, और जिसे चाहे वह उसे दे देता है?

सात युग बीतने पर ही नबूकदनेस्सर जानेगें कि मनुष्यों के राज्य में परमप्रधान ही प्रभुता करता है, और जिसे चाहे वह उसे दे देता है।

दानिय्येल 4:27

नबूकदनेस्सर के स्वप्न की व्याख्या करने के बाद दानिय्येल ने उन्हें क्या सम्मति दी थी?

दानिय्येल ने नबूकदनेस्सर को यह सम्मति दी कि पाप छोड़कर धार्मिकता करने लगे, और अधर्म छोड़कर दीन-हीनों पर दया करने लगे।

दानिय्येल 4:28

नबूकदनेस्सर के स्वप्न की व्याख्या करने के कितने समय बाद घटना घटने लगी?

यह सब कुछ नबूकदनेस्सर राजा पर बारह महीने बीतने पर घट गया।

दानिय्येल 4:34

सात वर्षों के अंत में नबूकदनेस्सर के साथ क्या घटित हुआ?

सात वर्षों के अंत में नबूकदनेस्सर ने जब अपनी आँखें स्वर्ग की ओर उठाई तो उनकी बुद्धि फिर ज्यों की त्यों हो गई।

दानिय्येल 4:34 (#2)

जब नबूकदनेस्सर की बुद्धि उसे वापस मिली, तब उन्होंने क्या किया?

नबूकदनेस्सर ने परमप्रधान को धन्य कहा और उसकी स्तुति और महिमा यह कहकर करने लगा की उसकी प्रभुता सदा की है।

दानिय्येल 4:36

नबूकदनेस्सर के राज्य का क्या परिणाम हुआ?

नबूकदनेस्सर अपने राज्य में स्थिर हो गया।

दानिय्येल 4:37

नबूकदनेस्सर ने स्वर्ग के राजा के बारे में अंत में क्या कहा?

नबूकदनेस्सर स्वर्ग के राजा को सराहते हुए और उसकी स्तुति और महिमा करते हुए कहा "उसके सब काम सच्चे, और उसके सब व्यवहार न्याय के हैं; और जो लोग घमण्ड से चलते हैं, उन्हें वह नीचा कर सकता है"

दानिय्येल 5:1

राजा बेलशस्सर ने किसके लिये बड़ी दावत की।

राजा बेलशस्सर ने अपने हजार प्रधानों के लिये बड़ी दावत की।

दानिय्येल 5:2

बेलशस्सर कौन थे?

बेलशस्सर नबूकदनेस्सर के पुत्र थे।

दानिय्येल 5:3

इस दावत में उन्होंने दाखरस पीने के लिए किस बर्तन का उपयोग किया?

दाखरस पीने के लिए जो सोने के पात्र यरूशलेम में परमेश्वर के भवन के मन्दिर में से निकाले गए थे उनका उपयोग किया गया।

दानिय्येल 5:4

भोज में लोगों ने दाखरस पीते समय क्या किया?

वे दाखमधु पी पीकर सोने, चाँदी, पीतल, लोहे, काठ और पत्थर के देवताओं की स्तुति कर रहे थे।

दानिय्येल 5:5

जब लोग दाखरस पी रहे थे और अपने देवताओं की स्तुति कर ही रहे थे, उस घड़ी क्या हुआ?

उसी घड़ी मनुष्य के हाथ की सी कई उँगलियाँ निकलकर दीवट के सामने राजभवन की दीवार के चूने पर कुछ लिखने लगीं।

दानिय्येल 5:6

जब राजा ने हाथ देखा, तो उनकी तत्काल प्रतिक्रिया क्या थी?

राजा भयभीत हो गया, और वह मन ही मन घबरा गया, और उसकी कमर के जोड़ ढीले हो गए, और काँपते-काँपते उसके घुटने एक दूसरे से लगने लगे।

दानिय्येल 5:7

राजा ने उस व्यक्ति से क्या वादा किया जो दीवार पर लिखा हुआ पढ़कर उसके अर्थ को उसको समझा सके?

राजा ने कहा "जो कोई वह लिखा हुआ पढ़कर उसका अर्थ मुझे समझाए उसे बैंगनी रंग का वस्त्र और उसके गले में सोने की कण्ठमाला पहनाई जाएगी; और मेरे राज्य में तीसरा वही प्रभुता करेगा।"

दानिय्येल 5:13

राजा के अनुसार, उन्होंने दानिय्येल के बारे में कौन-कौन सी विशेषताएँ सुनी थीं?

राजा ने दानिय्येल से कहा कि उन्होंने दानिय्येल विषय में सुना है कि देवताओं की आत्मा उस में रहती है; और प्रकाश, प्रवीणता और उत्तम बुद्धि उसमें में पाई जाती है।

दानिय्येल 5:17

जब दानिय्येल को यह बताया गया कि उसे अर्थ समझाने के लिए क्या इनाम मिलेगा, तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी?

दानिय्येल ने राजा से कहा, "अपने दान अपने ही पास रख; और जो बदला तू देना चाहता है, वह दूसरे को दे; वह लिखी हुई बात मैं राजा को पढ़ सुनाऊँगा, और उसका अर्थ भी तुझे समझाऊँगा"

दानिय्येल 5:20

नबूकदनेस्सर को उनके राजसिंहासन से क्यों उतारा गया और उनकी प्रतिष्ठा क्यों भंग की गई?

नबूकदनेस्सर को उनके राजसिंहासन से इसलिए उतारा गया और उनकी प्रतिष्ठा भंग की गई क्योंकि उसका मन फूल उठा था, और उसकी आत्मा कठोर हो गई थी, और वह अभिमानी बन गया था।

दानिय्येल 5:22–23

दानिय्येल द्वारा बेलशस्सर पर लगाए गए आरोप क्या थे?

दानिय्येल ने कहा कि बेलशस्सर सब कुछ जानता था, तो भी उसका मन नम्र न हुआ। वह स्वर्ग के प्रभु के विरुद्ध सिर उठाया और जिसके हाथ में उसके प्राण है, उसका सम्मान नहीं किया।

दानिय्येल 5:26–28

दीवार पर लिखे वाक्य का क्या अर्थ था?

अर्थ इस प्रकार है: बेलशस्सर परमेश्वर ने तेरे राज्य के दिन गिनकर उसका अन्त कर दिया है। बेलशस्सर को तराजू में तौला गया और हलका पाया गया है। बेलशस्सर का राज्य बाँटकर मादियों और फारसियों को दिया जाएगा।

दानिय्येल 5:30–31

जिस रात दानिय्येल ने बेलशस्सर को लेख का अर्थ बताया उसी रात क्या हुआ?

उसी रात कसदियों का राजा बेलशस्सर मार डाला गया और दारा मादी राजगद्दी पर विराजमान हुआ।

दानिय्येल 5:31

जब दारा को राज्य मिला, तब उनकी आयु कितनी थी?

दारा मादी बासठ वर्ष की आयु मे राजगद्दी पर विराजमान हुआ।

दानिय्येल 6:1–2

दारा ने राज्य के ऊपर किस को अधिकार दिया?

दारा ने अपने राज्य के ऊपर एक सौ बीस अधिपति ठहराए, जो पूरे राज्य में अधिकार रखते थे।

दानिय्येल 6:2

तीन प्रमुख अध्यक्षो में से एक कौन था?

दानिय्येल तीन प्रमुख अध्यक्षो मे से एक था।

दानिय्येल 6:2 (#2)

तीन अध्यक्ष क्यों ठहराए गए?

तीन अध्यक्ष इसलिए ठहराए गए ताकि वे उन अधिपतियों से लेखा लिया करें, और राजा की कुछ हानि न होने पाए।

दानिय्येल 6:3

राजा सारे राज्य के ऊपर किसे ठहराने की योजना बना रहे थे?

राजा सारे राज्य के ऊपर दानिय्येल को ठहराने की योजना बना रहे थे।

दानिय्येल 6:4

अन्य अध्यक्ष और अधिपति राजकार्य के विषय में दानिय्येल के विरुद्ध दोष क्यों नहीं ढूँढ़ने पाए?

वे दानिय्येल के विरुद्ध दोष नहीं ढूँढ़ने पाए क्योंकि दानिय्येल विश्वासयोग्य थे।

दानिय्येल 6:5

अध्यक्ष और अधिपति राजकार्य के विषय में दानिय्येल के विरुद्ध किस एक विषय मे दोष पा सके?

वे दानिय्येल के परमेश्वर की व्यवस्था को छोड़ और किसी विषय में उसके विरुद्ध कोई दोष न पा सकेंगे।

दानिय्येल 6:7

राज्य के सारे अध्यक्षों ने, और हाकिमों, अधिपतियों, न्यायियों, और राज्यपालों ने आपस में सम्मति कर राजा को क्या सलाह दी?

राज्य के सारे अध्यक्षों ने, और हाकिमों, अधिपतियों, न्यायियों, और राज्यपालों ने आपस में सम्मति की है, कि राजा ऐसी कड़ी आज्ञा निकाले, कि तीस दिन तक जो कोई, राजा को छोड़ किसी और मनुष्य या देवता से विनती करे, वह सिंहों की माँद में डाल दिया जाए।

दानिय्येल 6:10

जब दानिय्येल को मालूम हुआ कि उस पत्र पर हस्ताक्षर किया गया है तब उन्होंने क्या किया?

दानिय्येल अपने घर गया और अपने परमेश्वर के सामने घुटने टेककर प्रार्थना और धन्यवाद करता रहा, जैसे वो पहले करता था।

दानिय्येल 6:13

जब षड्यंत्रकारियों ने देखा कि दानिय्येल परमेश्वर से सहायता मांग रहा हैं और प्रार्थना कर रहे हैं, तो उन्होंने क्या किया।

उन षड्यंत्रकारियों ने राजा के पास जाकर उन्हें कहा कि दानिय्येल ने न तेरी ओर कुछ ध्यान दिया, और न तेरे हस्ताक्षर किए हुए आज्ञापत्र की ओर, वह दिन में तीन बार विनती किया करता है।

दानिय्येल 6:14

जब राजा ने सुना कि दानिय्येल ने राजा के आदेश का उल्लंघन किया है, तब राजा ने क्या किया?

राजा बहुत उदास हुआ, और दानिय्येल को बचाने के उपाय सोचने लगा।

दानिय्येल 6:17–18

दानिय्येल को सिंहों के माँद में फेंकने के बाद राजा ने क्या किया?

राजा ने उस पर अपनी अंगूठी से मुहर लगा दी। फिर वह अपने महल में चला गया, और उस रात को बिना भोजन पड़ा रहा और उसे नींद भी नहीं आई।

दानिय्येल 6:20

अगले दिन जब राजा उस मांद में गया यहाँ दानिय्येल को शेरों को फेंका गया था, तब उसने क्या कहा ?

राजा ने दानिय्येल से कहा, "हे दानिय्येल, हे जीविते परमेश्वर के दास, क्या तेरा परमेश्वर जिसकी तू नित्य उपासना करता है, तुझे सिंहों से बचा सका है?"

दानिय्येल 6:21–22

दानिय्येल ने राजा को क्या उत्तर दिया?

दानिय्येल ने राजा से कहा, "हे राजा, तू युग-युग जीवित रहे! मेरे परमेश्वर ने अपना दूत भेजकर सिंहों के मुँह को ऐसा बन्द कर रखा कि उन्होंने मेरी कुछ भी हानि नहीं की; इसका कारण यह है, कि मैं उसके सामने निर्दोष पाया गया; और हे राजा, तेरे सम्मुख भी मैंने कोई भूल नहीं की।"

दानिय्येल 6:23

जब राजा ने दानिय्येल को सिंह की माँद में जीवित पाया, तो उन्होंने सबसे पहले क्या निर्देश दिया?

जब राजा ने दानिय्येल को सिंह की माँद में जीवित पाया तो बहुत आनन्दित होकर, दानिय्येल को माँद में से निकालने की आज्ञा दी।

दानिय्येल 6:24

राजा ने दानिय्येल को सिंह की गुफा में जीवित पाने के बाद दूसरा निर्देश क्या दिया?

राजा ने आज्ञा दी कि जिन पुरुषों ने दानिय्येल की चुगली की थी, वे अपने-अपने बाल-बच्चों और स्त्रियों समेत सिंहों की माँद में डाल दिए जाएँ।

दानिय्येल 6:26–27

दारा ने अपने आदेश में दानिय्येल के परमेश्वर के बारे में क्या कहा?

दारा ने यह आज्ञा दी कि जहाँ-जहाँ उसके राज्य का अधिकार है, वहाँ के लोग दानिय्येल के परमेश्वर के सम्मुख काँपते और थरथराते रहें, क्योंकि जीविता और युगानुयुग तक रहनेवाला परमेश्वर वही है; उसका राज्य अविनाशी और उसकी प्रभुता सदा स्थिर रहेगी। जिसने दानिय्येल को सिंहों से बचाया है, वही बचाने और छुड़ानेवाला है; और स्वर्ग में और पृथ्वी पर चिन्हों और चमत्कारों का प्रगट करनेवाला है।

दानिय्येल 6:28

दानिय्येल किसके राज्य के दिनों में सुख-चैन से रहा?

दानिय्येल, दारा और कुस्रू फारसी, दोनों के राज्य के दिनों में सुख-चैन से रहा।

दानिय्येल 7:1

दानिय्येल ने कब और कहाँ स्वप्न देखा?

बाबेल के राजा बेलशस्सर के राज्य के पहले वर्ष में, दानिय्येल ने पलंग पर स्वप्न देखा।

दानिय्येल 7:2

दानिय्येल के स्वप्न मे महासागर में क्या हो रहा था?

दानिय्येल ने यह स्वप्न देखा कि महासागर पर चौमुखी आँधी चलने लगी।

दानिय्येल 7:3

समुद्र से क्या निकाल आए?

समुद्र में से चार बड़े-बड़े जन्तु, जो एक दूसरे से भिन्न थे, निकल आए।

दानिय्येल 7:4

सिंह के समान दिखने वाले पशु को क्या दिया गया?

उसको मनुष्य का हृदय दिया गया।

दानिय्येल 7:5

रीछ के समान दिखनेवाले पशु को क्या करने के लिए कहा गया था?

उससे कहा गया कि उठकर बहुत माँस खा।

दानिय्येल 7:6

चीते के समान पशु को क्या दिया गया था?

चीते के समान पशु को अधिकार दिया गया।

दानिय्येल 7:7

चौथे जन्तु ने क्या किया?

चौथा जन्तु सब कुछ खा डालता है और चूर-चूर करता, और जो बच जाता, उसे पैरों से रौंदता है।

दानिय्येल 7:8

जब दानिय्येल ने उसके सींगों पर ध्यान दिया, तो उन्होंने चौथे जन्तु के साथ क्या होते हुए देखा?

दानिय्येल उन सींगों को ध्यान से देखा कि उनके बीच एक और छोटा सा सींग निकला, और उसके बल से उन पहले सींगों में से तीन उखाड़े गए; फिर उसने देखा कि इस सींग में मनुष्य की सी आँखें, और बड़ा बोल बोलनेवाला मुँह भी थे।

दानिय्येल 7:9

रखे गए उन सिंहासनों पर कौन विराजमान हुआ ?

उन सिंहासनों पर कोई अति प्राचीन विराजमान हुआ।

दानिय्येल 7:10

उस प्राचीन के सम्मुख क्या हो रहा था?

उस प्राचीन के सम्मुख न्यायी बैठ गए, और पुस्तकें खोली गईं।

दानिय्येल 7:11–12

चार जीवों का क्या हुआ?

उस समय सींग वाला जन्तु बड़ा बोल रहा था परतु देखते-देखते वह घात किया गया, और उसका शरीर धधकती हुई आग में भस्म किया गया। और बचे हुए जन्तुओं का अधिकार ले लिया गया, परन्तु उनका प्राण कुछ समय के लिये बचाया गया।

दानिय्येल 7:13

दानिय्येल के स्वप्न में,अति प्राचीन के पास कौन पहुँचा?

दानिय्येल के स्वप्न में मनुष्य के सन्तान सा कोई आकाश के बादलों समेत आ रहा था, और वह उस अति प्राचीन के पास पहुँचा।

दानिय्येल 7:14

उस व्यक्ति को क्या दिया गया जो "मनुष्य के पुत्र के समान" था?

जो "मनुष्य के पुत्र के समान" था उसको प्रभुता, महिमा और राज्य दिया गया। उसकी प्रभुता सदा तक अटल, और उसका राज्य अविनाशी ठहरा।

दानिय्येल 7:17

दानिय्येल के स्वप्न के चार बड़े-बड़े जन्तुओं का क्या अर्थ हैं?

दानिय्येल के स्वप्न के चार चार बड़े-बड़े जन्तुओं का अर्थ चार राज्य हैं, जो पृथ्वी पर उदय होंगे।

दानिय्येल 7:18

कौन राज्य पाएँगे और युगानुयुग उसके अधिकारी बने रहेंगे?

परमप्रधान के पवित्र लोग राज्य को पाएँगे और युगानुयुग उसके अधिकारी बने रहेंगे।

दानिय्येल 7:23

जब दानिय्येल ने चौथे जन्तु का अर्थ को पूछा, तो उस व्यक्ति ने क्या बताया कि चौथा जन्तु क्या था और वह पृथ्वी के साथ क्या करेगा।

उस चौथे जन्तु का अर्थ, एक चौथा राज्य है, जो पृथ्वी पर होकर और सब राज्यों से भिन्न होगा, और सारी पृथ्वी को नाश करेगा, और दाँवकर चूर-चूर करेगा।

दानिय्येल 7:24

वहाँ खड़े व्यक्ति ने दस सींगों के विषय में क्या कहा?

वहाँ खड़े व्यक्ति ने कहा उन दस सींगों का अर्थ यह है, कि उस राज्य में से दस राजा उठेंगे।

दानिय्येल 7:25–26

जो परमप्रधान के विरुद्ध बातें कहेगा, वह क्या करेगा और उसका परिणाम क्या होगा?

वह परमप्रधान के पवित्र लोगों को पीस डालेगा और समयों और व्यवस्था के बदल देने की आशा करेगा, साढ़े तीन काल तक वे सब उसके वश में कर दिए जाएँगे। परन्तु उसकी प्रभुता छीनकर मिटाई और नाश की जाएगी; यहाँ तक कि उसका अन्त ही हो जाएगा।

दानिय्येल 7:27

राज्य और प्रभुता और धरती पर के राज्य की महिमा, किसे दिया जाएगा?

राज्य और प्रभुता और धरती पर के राज्य की महिमा, परमप्रधान की प्रजा अर्थात् उसके पवित्र लोगों को दी जाएगी।

दानिय्येल 7:28

इस दर्शन के प्रति दानिय्येल की प्रतिक्रिया क्या थी?

दानिय्येल के मन में बड़ी घबराहट बनी रही, और वह भयभीत हो गया; और इस बात को उसने अपने मन में रखे रहा।

दानिय्येल 8:1

दानिय्येल को दूसरी बार दर्शन कब प्राप्त हुआ?

दानिय्येल को दूसरा दर्शन बेलशस्सर राजा के राज्य के तीसरे वर्ष में प्राप्त हुआ।

दानिय्येल 8:2

दानिय्येल अपने दर्शन में कहाँ थे?

दानिय्येल अपने दर्शन में ऊलै नदी के किनारे पर थे।

दानिय्येल 8:3

इस दर्शन में दानिय्येल ने कौन-कौन से दो जानवर देखे?

दानिय्येल ने इस दर्शन में एक मेढ़ा और एक बकरा देखा।

दानिय्येल 8:3 (#2)

मेढ़ा के दो सींग कैसे थे?

मेढ़ा के दोनों बड़े सींग थे, परन्तु उनमें से एक अधिक बड़ा था, और जो बड़ा था, वह दूसरे के बाद निकला।

दानिय्येल 8:4

मेढ़ा कितने सामर्थ्यवान थे?

कोई जन्तु मेढ़े के सामने खड़ा नहीं रह सकता, और न उसके हाथ से कोई किसी को बचा सकता था; और वह अपनी ही इच्छा के अनुसार काम करके बढ़ता जाता था।

दानिय्येल 8:5

बकरे के सींग कैसे थे?

बकरे की आँखों के बीच एक सींग था।

दानिय्येल 8:7

बकरे ने मेढ़े के साथ क्या किया?

बकरा, मेढ़े पर झुँझलाया; और मेढ़े को मारकर उसके दोनों सींगों को तोड़ दिया और बकरे ने उसको भूमि पर गिराकर रौंद डाला।

दानिय्येल 8:8

जब बकरे का बड़ा सींग टूट गया, तो उसकी जगह क्या निकला?

जब बकरे का बड़ा सींग टूट गया, और उसकी जगह देखने योग्य चार सींग निकलकर चारों दिशाओं की ओर बढ़ने लगे।

दानिय्येल 8:9

बकरी के चार सींगों में से एक का क्या हुआ?

इनमें से एक छोटा सा सींग और निकला, जो दक्षिण, पूरब और शिरोमणि देश की ओर बहुत ही बढ़ गया।

दानिय्येल 8:10

जब यह सींग बड़ा हुआ, तो इसने क्या किया?

वह स्वर्ग की सेना तक बढ़ गया; और तारों में से कितनों को भूमि पर गिराकर रौंद डाला।

दानिय्येल 8:12

होमबलि के साथ सेना उसके हाथ में क्यों कर दी गई, और उस सींग ने सच्चाई को मिट्टी में क्यों मिला दिया?

लोगों के अपराध के कारण होमबलि के साथ सेना उसके हाथ में कर दी गई, और उस सींग ने सच्चाई को मिट्टी में मिला दिया।

दानिय्येल 8:14

नित्य होमबलि और उजड़वानेवाले अपराध के विषय में जो कुछ दर्शन देखा गया, वह कब तक फलता रहेगा; अर्थात् पवित्रस्थान और सेना दोनों का रौंदा जाना कब तक होता रहेगा?

जब तक साँझ और सवेरा दो हजार तीन सौ बार न हों, तब तक वह होता रहेगा।

दानिय्येल 8:14 (#2)

जब साँझ और सवेरा दो हजार तीन सौ बार हों जाएगा, तब क्या होगा?

तब पवित्रस्थान शुद्ध किया जाएगा।

दानिय्येल 8:16

दानिय्येल को स्वप्न को समझाने के लिए किसे कहा गया था?

गब्रिएल से दानिय्येल को स्वप्न समझने में सहायता करने के लिए कहा गया था।

दानिय्येल 8:19

स्वप्न किस दिन का था? यह किस समय से संबंधित था?

स्वप्न क्रोध भड़कने के अन्त के दिनों में जो कुछ होगा और अन्त के ठहराए हुए समय से संबंधित था।

दानिय्येल 8:20–21

दानिय्येल के स्वप्न में दो सींगों वाला मेढ़ा और बकरा क्या दर्शाते हैं?

दो सींगों वाला मेढ़े का अर्थ मादियों और फारसियों के राज्य से है। बकरा यूनान का राज्य है।

दानिय्येल 8:22

जब सींग जो टूट गया और उसकी जगह जो चार सींग निकले, वे किसका प्रतिनिधित्व करते थे?

सींग के टूटने पर उसकी जगह जो चार सींग निकले वे चार राज्य के उदय होंने का प्रतिनिधित्व करते हैं।

दानिय्येल 8:24–25

क्रूर दृष्टिवाला और पहेली बूझनेवाला राजा क्या करेंगे?

वह पहले राजा का सा नहीं होगा और वह अद्‌भुत रीति से लोगों को नाश करेगा, पवित्र लोगों के समुदाय को नाश करेगा, उसकी चतुराई के कारण उसका छल सफल होगा, वह सब राजाओं के राजा के विरुद्ध भी खड़ा होगा।

दानिय्येल 8:25

अंततः क्रूर दृष्टिवाला और पहेली बूझनेवाला एक राजा का क्या होगा?

अन्त को वह किसी के हाथ से बिना मार खाए टूट जाएगा।

दानिय्येल 8:27

इस स्वप्न ने दानिय्येल पर क्या प्रभाव डाला?

दानिय्येल का बल जाता रहा और वह कुछ दिन तक बीमार पड़ा रहा, क्योकि जो कुछ उन्होंने देखा था उससे वो चकित थे।

दानिय्येल 9:1

क्षयर्ष किस देश के राजा थे?

क्षयर्ष को कसदियों के देश पर राजा ठहराया गया था।

दानिय्येल 9:2

दानिय्येल ने यहोवा के शास्त्र के द्वारा यहोवा का वह वचन जो यिर्मयाह नबी के पास पहुँचा था उसके विषये मे क्या समझा?

दानिय्येल ने शास्त्र के द्वारा समझ लिया कि यरूशलेम की उजड़ी हुई दशा सत्तर वर्ष के बाद पूरी हो जाएगी।

दानिय्येल 9:3

दानिय्येल ने प्रभु परमेश्वर से कैसे विनती की?

दानिय्येल अपना मुख प्रभु परमेश्वर की ओर करके गिड़गिड़ाहट के साथ प्रार्थना करने लगा, और उपवास कर, टाट पहन, राख में बैठकर विनती करने लगा।

दानिय्येल 9:4

जब दानिय्येल प्रभु परमेश्वर के पास प्रार्थना में गए, तो उन्होंने सबसे पहले क्या किया?

दानिय्येल ने इस्राएलियों के पाप का अंगीकार किया।

दानिय्येल 9:6

नबियों ने परमेश्वर के नाम में किनसे बातें की?

नबियों ने राजाओं, हाकिमों, पूर्वजों और सब साधारण लोगों से परमेश्वर के नाम से बातें की।

दानिय्येल 9:8

इस्राएलियों को क्यों लज्जित होना पड़ा?

क्योंकि उन्होंने परमेश्वर के विरुद्ध पाप किया था, इस कारण उनको लज्जित होना पड़ा।

दानिय्येल 9:11

उनके पापों के कारण इस्राएल पर क्या घटा?

जिस श्राप की चर्चा परमेश्वर के दास मूसा की व्यवस्था में लिखी हुई थी, वह श्राप उन पर घट गया।

दानिय्येल 9:12

यहोवा ने इस्राएल और न्यायियों के विषय जो वचन कहे थे उन्हे कैसे पूरा किया?

यहोवा ने इस्राएल और न्यायियों के विषय जो वचन कहे थे, उन्हें उन पर बड़ी विपत्ति डालकर पूरा किया।

दानिय्येल 9:13

दानिय्येल ने क्या कहा कि इस्राएल ने परमेश्वर यहोवा को मनाने के लिये क्या नहीं किया था?

दानिय्येल ने कहा कि इस्राएल ने परमेश्वर यहोवा को मनाने के लिये न तो अधर्म के कामों से फिरे, और न ही उनके सत्य बातों पर ध्यान दिया।

दानिय्येल 9:16

दानिय्येल प्रभु परमेश्वर को क्या कारण देते हुए यरूशलेम से उनके क्रोध और जलजलाहट को उतार देने का निवेदन करते हैं?

दानिय्येल निवेदन करते हैं कि प्रभु परमेश्वर अपने सब धार्मिकता के कामों के कारण अपना क्रोध और जलजलाहट अपने नगर यरूशलेम पर से उतार दे।

दानिय्येल 9:21

गब्रिएल ने दानिय्येल को कब छूआ?

गब्रिएल ने साँझ के अन्नबलि के समय दानिय्येल को छू लिया।

दानिय्येल 9:22

गब्रिएल दानिय्येल के पास क्यों आए थे?

गब्रिएल दानिय्येल को बुद्धि और प्रवीणता देने आए थे।

दानिय्येल 9:24

दानिय्येल के लोगों और पवित्र नगर के लिये सत्तर सप्ताह किस लिए ठहराया गया?

लोगों और पवित्र नगर के लिये सत्तर सप्ताह ठहराया गया ताकि पापों का अन्त और अधर्म का प्रायश्चित किया जाए, और युग-युग की धार्मिकता प्रगट हो; और दर्शन की बात पर और

भविष्यद्वाणी पर छाप दी जाए, और परमपवित्र स्थान का अभिषेक किया जाए।

दानिय्येल 9:25

यरूशलेम के फिर बसाने की आज्ञा के निकलने से लेकर अभिषिक्त प्रधान के समय तक कितना समय व्यतीत होगा?

यरूशलेम के फिर बसाने की आज्ञा के निकलने से लेकर अभिषिक्त प्रधान के समय तक सात सप्ताह बीतेंगे फिर बासठ सप्ताह लगेगा।

दानिय्येल 9:26

अभिषिक्त पुरुष कब काटा जाएगा?

बासठ सप्ताहों के बीतने पर अभिषिक्त पुरुष काटा जाएगा।

दानिय्येल 9:27

आने वाले प्रधान क्या करेंगे?

वह प्रधान एक सप्ताह के लिये बहुतों के संग दृढ़ वाचा बाँधेगा, परन्तु आधे सप्ताह के बीतने पर वह मेलबलि और अन्नबलि को बन्द कर देंगे।

दानिय्येल 9:27 (#2)

निश्चय से ठनी हुई बात के समाप्त होने तक उजाड़नेवाले पर क्या पड़ा रहेगा?

निश्चय से ठनी हुई बात के समाप्त होने तक परमेश्वर का क्रोध उजाड़नेवाले पर पड़ा रहेगा।

दानिय्येल 10:1

फारस देश के राजा कुस्रू के राज्य के तीसरे वर्ष में दानिय्येल पर कौन सी बात प्रगट की गई?

दानिय्येल पर एक बड़ा युद्ध होने की बात प्रगट की गई।

दानिय्येल 10:1 (#2)

दानिय्येल इस बात को कैसे जान लिया?

दानिय्येल को संदेश की समझ उसके पास एक दर्शन में आई।

दानिय्येल 10:5

दानिय्येल ने अपने दर्शन में किसे देखा?

उन्होंने एक पुरुष को देखा जो सन का वस्त्र पहने हुए था और कुन्दन से कमर बाँधे हुए था।

दानिय्येल 10:6

दानिय्येल के दर्शन में पुरुष कैसा दिखाई दिया?

उस पुरुष का शरीर फीरोजा के समान, उसका मुख बिजली के समान, उसकी आँखें जलते हुए दीपक की सी, उसकी बाहें और पाँव चमकाए हुए पीतल के से, और उसके वचनों के शब्द भीड़ों के शब्द का सा था।

दानिय्येल 10:8–9

जब दानिय्येल ने अद्भुत दर्शन देखा और पुरुष के वचन सुने, तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी?

दानिय्येल का बल जाता रहा; वह भयातुर हो गया, और उसमें कुछ भी बल न रहा। वह मुँह के बल गिर गया और गहरी नींद में भूमि पर औंधे मुँह पड़ा रहा।

दानिय्येल 10:12

स्वर्गदूत को दानिय्येल के पास कब भेजा गया?

पहले ही दिन को जब दानिय्येल समझने-बूझने के लिये मन लगाया और परमेश्वर के सामने अपने को दीन किया उसी दिन स्वर्गदूत को दानिय्येल के पास भेजा गया।

दानिय्येल 10:13

स्वर्गदूत को दानिय्येल के पास आने में इक्कीस दिन क्यों लगे?

क्योंकि फारस राज्य का राजकुमार इक्कीस दिन तक स्वर्गदूत का प्रतिरोध करता रहा।

दानिय्येल 10:14

दर्शन की घटनाएँ कब घटित होंगी?

दर्शन अन्त के दिनों का था, वह कुछ दिनों के बाद पूरा होगा।

दानिय्येल 10:16–17

दानिय्येल ने कहा कि दर्शन की बातों के कारण उन्हे कैसा लगा?

दानिय्येल ने कहा कि दर्शन की बातों के कारण उन को पीड़ा-सी उठी, उसकी देह में कुछ भी बल नहीं रहा और न कुछ साँस रह गई।

दानिय्येल 10:18

वह जो मनुष्य के समान था दानिय्येल को हियाव कैसे बन्धाया?

वह जो मनुष्य के समान था दानिय्येल को छूकर हियाव बन्धाया।

दानिय्येल 10:20

जो मनुष्य के समान दिखते थे, उन्होंने क्या कहा कि वे दानिय्येल को छोड़ने के बाद क्या करने जा रहे थे?

उन्होंने कहा कि वे फारस के प्रधान से लड़ने को लौटेगें।

दानिय्येल 10:21

जो मनुष्य के समान दिखते थे, उन्होंने कहा कि वे दानिय्येल को क्या बताने वाले थे?

उन्होंने कहा कि वे दानिय्येल को सच्ची बातों से भरी हुई पुस्तक में क्या लिखा है बताने वाले थे।

दानिय्येल 11:2

फारस में चौथे राजा किस कारण सामर्थी होगा?

फारस में चौथे राजा अधिक धन के कारण सामर्थी होगा।

दानिय्येल 11:2 (#2)

चौथा फारसी राजा किस राज्य के विरुद्ध सब लोगों को उभारेगा?

चौथा फारसी राजा सब लोगों को यूनान के राज्य के विरुद्ध उभारेगा।

दानिय्येल 11:4

पराक्रमी राजा का राज्य किसे नहीं सौंपा जाएगा?

वह राज्य राजा के वंशजों को नहीं दिया जाएगा परन्तु और लोगों को प्राप्त होगा।

दानिय्येल 11:5–6

गठबंधन कौन बनाएंगे?

दक्षिण देश के राजा की बेटी उत्तर देश के राजा के पास शान्ति की वाचा बाँधने को आएगी।

दानिय्येल 11:6

दक्षिण के राजा और उत्तर के राजा के बीच गठबंधन की पुष्टि करने कौन आएंगे?

दक्षिण देश के राजा की बेटी उत्तर देश के राजा के पास शान्ति की वाचा बाँधने को आएगी।

दानिय्येल 11:7

दक्षिण के राजा की बेटी से विवाह उत्पन्न राजा, उत्तर के राजा के साथ क्या करेगा?

वह उत्तर के राजा के सेना पर आक्रमण करेगा और उसके किले में प्रवेश करेगा; वह उनसे लड़ेगा और विजयी होगा।

दानिय्येल 11:10

उत्तर के राजा के पुत्र क्या करेंगे?

युद्ध की तैयारी करेंगे और एक बड़ी सेना इकट्ठा करेंगे, जो न रोके जा सकनेवाले बाढ़ के समान तेजी से आगे बढ़ेंगे और लड़ाई को दक्षिण के राजा के किले तक ले जाएंगे।

दानिय्येल 11:11

उत्तर के राजा के पुत्रों के हमले के जवाब में दक्षिण के राजा क्या करेंगे?

दक्षिण का राजा क्रोधित होकर आगे बढ़ेगा और वह उत्तर के राजा से लड़ाई करेगा।

दानिय्येल 11:11–12

उत्तर और दक्षिण के बीच इस युद्ध में किसकी जीत होगी?

दक्षिण के राजा की इस युद्ध में जीत होगी।

दानिय्येल 11:13

कुछ वर्षों के बाद, उत्तर का राजा क्या करेगा?

वह कई वर्षों के बाद वो पूरी तैयारी के साथ एक बड़ी सेना को लेकर आगे बढ़ेगा।

दानिय्येल 11:14

उन दिनों में और कौन दक्षिण के राजा के विरुद्ध उठेंगे?

उन दिनों में बहुत से लोग दक्षिण देश के राजा के विरुद्ध उठेंगे, जिनमें दानिय्येल के लोगों में से भी उपद्रवी लोग शामिल होंगे।

दानिय्येल 11:15–16

इस बार क्या होगा जब उत्तर का राजा दक्षिण के राजा पर आक्रमण करेगा?

दक्षिण देश के न तो प्रधान खड़े रहेंगे और न बड़े वीर; क्योंकि किसी के खड़े रहने का बल न रहेगा। उत्तर देश का राजा आकर अपनी इच्छा पूरी करेगा।

दानिय्येल 11:17

उत्तर का राजा दक्षिण के राजा को अपनी बेटी को विवाह में क्यों देंगे?

उत्तर के राजा, दक्षिण के राजा के राज्य को जीतने के लिये अपनी एक बेटी विवाह में देगा।

दानिय्येल 11:18–19

उत्तर के इस राजा का क्या परिणाम होगा?

एक सेनापति उसके अहंकार को मिटाएगा; वरन् उसके अहंकार के अनुकूल उसे बदला देगा और वह ठोकर खाकर गिरेगा, और उसका कहीं पता न रहेगा।

दानिय्येल 11:20

उत्तर के राजा के स्थान पर जो आएंगे, वो क्या करेंगे?

जो उसकी जगह लेगा, वह राजकीय वैभव को बनाए रखने के लिये कर इकट्ठा करनेवाला भेजेगा।

दानिय्येल 11:20 (#2)

उस व्यक्ति के साथ क्या होगा जो करों का भुगतान करने के लिए बाध्य करता है?

थोड़े दिन बीतने पर वह क्रोध या युद्ध किए बिना ही नाश हो जाएगा।

दानिय्येल 11:21

कैसे एक तुच्छ मनुष्य जिसकी राज प्रतिष्ठा पहले नहीं थी राज्य को प्राप्त करेगा ?

वह चैन के समय चिकनी-चुपड़ी बातों के द्वारा राज्य को प्राप्त करेगा।

दानिय्येल 11:23

उसके संग वाचा बाँधने पर तुच्छ राजा क्या करेंगे?

वह उसके संग वाचा बाँधने पर भी छल करेगा।

दानिय्येल 11:25

जब यह कपटी राजा दक्षिण के राजा के विरुद्ध युद्ध करेगा, तो क्या होगा?

दक्षिण का राजा उसके विरुद्ध रचे गये षड्यंत्र के कारण ठहर न सकेगा।

दानिय्येल 11:27

उत्तर के राजा और दक्षिण के राजा एक ही मेज पर बैठे हुए आपस में झूठ क्यों बोलेंगे?

दोनों राजाओं के मन बुराई करने में लगें रहने के कारण, वे एक ही मेज पर बैठे हुए आपस में झूठ बोलेंगे।

दानिय्येल 11:28

उत्तर के राजा का हृदय किसके विरुद्ध उभरेगा?

उसका मन पवित्र वाचा के विरुद्ध उभरेगा।

दानिय्येल 11:30

उत्तर के राजा का पवित्र वाचा पर चिढ़ कैसे प्रकट होगा?

उत्तर के राजा चिढ़कर पवित्र वाचा के तोड़नेवालों की सुधि लेगा।

दानिय्येल 11:33

उस समय बुद्धिमान जन क्या करेंगे?

उस समय बुद्धिमान जन बहुतों को समझाएँगे।

दानिय्येल 11:33-34

बुद्धिमानों का क्या होगा?

वे तलवार से मारे जाएंगे या जला दिये जाएंगे या पकड़ लिये जाएंगे या लूट लिये जाएंगे। जब वे गिरेंगे, तो उन्हें बहुत थोड़ी मदद मिलेगी।

दानिय्येल 11:35

कुछ बुद्धिमान क्यों गिरेंगे?

बुद्धिमान लोगों में से कुछ गिरेंगे, ताकि जाँचे जाएँ, और निर्मल और उजले किए जाएँ।

दानिय्येल 11:36-37

यह कपटी उत्तर का राजा स्वयं को किसके ऊपर ऊँचा उठाएगा?

वह अपने आपको सारे देवताओं से ऊँचा और बड़ा ठहराएगा; ह अपने पूर्वजों के देवताओं की चिन्ता न करेगा, न स्त्रियों की प्रीति की कुछ चिन्ता करेगा और न किसी देवता की।

दानिय्येल 11:39

जो लोग इस कपटी राजा को स्वीकार करेंगे, उसको वो क्या देगा?

जो कोई उसको माने उसे वह बड़ी प्रतिष्ठा देगा। ऐसे लोगों को वह बहुतों के ऊपर प्रभुता देगा।

दानिय्येल 11:41

अंत समय में क्या होगा जब उत्तर का राजा शिरोमणि देश में आएगा?

जब उत्तर का राजा शिरोमणि देश में आएगा तब बहुत से देश उजड़ जाएँगे।

दानिय्येल 11:41 (#2)

उत्तर के राजा के हाथ से कौन बच जाएँगे?

एदोमी, मोआबी और मुख्य-मुख्य अम्मोनी आदि जातियों के देश उसके हाथ से बच जाएँगे।

दानिय्येल 11:42-43

उत्तर के इस राजा का प्रभाव किन-किन देशों पर फैलेगा?

वह कई देशों पर हाथ बढ़ाएगा जिसमे मिस्र, लूबी और कूशी देश शामिल हैं।

दानिय्येल 11:44

पूरब और उत्तर दिशाओं से समाचार सुनकर घबराहट में राजा क्या करेगा?

वह बड़े क्रोध में आकर बहुतों का सत्यानाश करने के लिये निकलेगा।

दानिय्येल 11:45

उत्तर का यह राजा अपना राजकीय तम्बू कहाँ खड़ा कराएगा?

वह समुद्रों के बीच पवित्र शिरोमणि पर्वत के पास अपना राजकीय तम्बू खड़ा कराएगा।

दानिय्येल 11:45 (#2)

अंत में उत्तर के राजा का कौन सहायक रहेगा?

उत्तर के राजा का अंत मे कोई सहायक न रहेगा।

दानिय्येल 12:1

दानिय्येल के लोगों की जो रक्षा करता है, वह कौन हैं?

मीकाएल, महान राजकुमार, दानिय्येल के लोगों की रक्षा करता है।

दानिय्येल 12:1 (#2)

यहाँ वर्णित संकट का समय कितना कठिन होगा?

तब ऐसे संकट का समय होगा, जैसा किसी जाति के उत्पन्न होने के समय से लेकर अब तक कभी न हुआ होगा।

दानिय्येल 12:1 (#3)

उस समय कौन बच निकलेंगे?

उस समय दानिय्येल के लोगों में से जितनों के नाम परमेश्वर की पुस्तक में लिखे हुए हैं, वे बच निकलेंगे।

दानिय्येल 12:2

उनमें से कई जो भूमि के नीचे सोए रहेंगे, उनके साथ क्या होगा?

उनमें से कई लोग जो भूमि के नीचे सोए रहेंगे जाग उठेंगे, कितने तो सदा के जीवन के लिये, और कितने अपनी नामधराई और सदा तक अत्यन्त घिनौने ठहरने के लिये।

दानिय्येल 12:3

उन लोगों का क्या होगा जो बुद्धिमान हैं और जो बहुतों को धर्मी बनाते हैं।

बुद्धिमानों की चमक आकाशमण्डल की सी होगी, और जो बहुतों को धर्मी बनाते हैं, वे सर्वदा तारों के समान प्रकाशमान रहेंगे।

दानिय्येल 12:4

दानिय्येल को कब तक पुस्तक पर मुहर लगा बंद रखने के लिए कहा गया था?

दानिय्येल को पुस्तक पर मुहर करके वचनों को अन्त समय तक के लिये बन्द रखने कहा गया था।

दानिय्येल 12:7

पुरुष सन का वस्त्र पहने हुए क्या कहा कि यह दशा कब तक रहेगी।

पुरुष सन का वस्त्र पहने हुए कहा कि यह दशा साढ़े तीन काल तक ही रहेगी और जब पवित्र प्रजा की शक्ति टूटते-टूटते समाप्त हो जाएगी, तब ये बातें पूरी होंगी।

दानिय्येल 12:9

सन का वस्त्र पहने पुरुष ने दानिय्येल को क्या कहाँ क्योंकि उसे उसकी बाते समझ में नहीं आ रही थी?

उसने कहा, “हे दानिय्येल चला जा; क्योंकि ये बातें अन्त समय के लिये बन्द हैं और इन पर मुहर दी हुई है।"

दानिय्येल 12:10

अंत समय में कौन भविष्यवाणी के शब्दों को समझ पाएंगे और कौन नहीं समझ पाएंगे?

दुष्टों में से कोई ये बातें न समझेगा; परन्तु जो बुद्धिमान है वे समझेंगे।

दानिय्येल 12:11

जब से नित्य होमबलि उठाई जाएगी और वह घिनौनी वस्तु जो उजाड़ करती है स्थापित की जाएगी, तब कितने दिन बीतेंगे?

तब से बारह सौ नब्बे दिन बीतेंगे।

दानिय्येल 12:12

उस समय सन का वस्त्र पहने पुरुष किसे धन्य कहते हैं?

सन वस्त्र पहने पुरुष ने कहा, वह धन्य हैं "जो धीरज धरकर तेरह सौ पैंतीस दिन के अन्त तक भी पहुँचेगा।"

दानिय्येल 12:13

सन वस्त्र पहने पुरुष ने पूछा कि दानिय्येल के साथ क्या होगा?

उन्होंने कहा कि दानिय्येल से कहा तू जाकर अन्त तक ठहरा रह; और विश्राम कर; और उन दिनों के अन्त में तू अपने निज भाग पर खड़ा होगा।